बुजुर्गों के लिए...

मूल्य - 5 रुपये वर्ष 2, अंक 6, पृ.सं. 20 संपादक :- कल्पना गोयल

आशीर्वाद -
डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आभार -
श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती शमा - श्री रमेश सचदेवा
संरक्षक,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्री सत्यभूषण जैन
संरक्षक,
प्रमुख समाजसेवी, दिल्ली

तारांशु

मासिक

जनवरी, 2014

''हम भी अगर बच्चे होते...'' आनन्द वृद्धाश्रम के आवासी जब राजीव गाँधी पार्क घूमने गए तो बच्चों के झूलों का आनन्द लेने से न रोक पाए...

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ क्रमांक
''हम भी अगर बच्चे होते....''	*02*
अनुक्रमणिका	*03*
एक पहल, एक उल्लास	*04*
एक पिता की व्यथा	*05*
गौरी योजना	*06*
तृप्ति योजना	*07*
आनन्द वृद्धाश्रम से	*08*
मोतियाबिन्द जाँच शिविर, ऑपरेशन	*09–12*
उन्हीं के शब्दों में	*13*
दानदाताओं का अभिनन्दन	*14*
डॉ. कैलाश मानव का अभिनन्दन, अब तक के सफल प्रयास	*15*
We are grateful them	*16*
Tara Contacts	*17*
How to make donors	*18*
Camps sponsored by Patron's	*19*

आशीर्वाद डॉ. कैलाश 'मानव', संस्थापक – नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

तारांशु मासिक, जनवरी, 2014

'तारांषु' – स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240–ए, हिरण मगरी, सेक्टर – 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाषित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाष कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच – III, उद्योग केन्द्र एक्टेंषन – II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेष) में मुद्रित, सम्पादक – श्रीमती कल्पना गोयल

एक पहल, एक उल्लास

सोहन बाई का मोतियाबिन्द ऑपरेशन हुआ था। अन्य रोगियों की तरह वे वार्ड में विश्राम कर रही थी। मैं ऐसे ही उनका हाल–चाल पूछने वार्ड में पहुँच गई। उनका बेटा केसर सिंह उनके साथ आया था। हाल–चाल पूछा, तो सोहन बाई ने जवाब दिया, बोलते–बोलते उनका गला रुँध रहा था। सुनते–सुनते मेरी भी आँखे भर आई। जो कुछ उन्होंने बताया, वह यह था –

सोहन बाई की आयु 70 वर्ष के लगभग है। गाँव में खेतों पर मजदूरी और पशु चराने का काम करते हुए बुढ़ापा आ गया। विगत 4–5 वर्षों से उन्हें दिखाई देना धीरे–धीरे कम हो गया। यहाँ तक कि दैनिक कार्यों में भी असुविधा होने लग गई। बेटा केसर सिंह शहर में टेम्पो चलाता है, और 10–15 दिन के अन्तराल पर गाँव जाता है। सोहन बाई की नज़र कम होने पर वह उन्हें एक बार शहर में डॉक्टर को दिखाने आया। डॉक्टर ने आँख में मोतियाबिन्द होने की बात कही और इलाज में लगभग 5000 रु. का खर्च बताया। क्या करें, कहाँ से लावें इलाज के पैसे?स्वयं के तो एक रुपये की भी आमदनी नहीं। बेटा टेम्पो चला कर जो कुछ कमाता है, उसका अधिकांश तो टेम्पोमालिक को देना पड़ता है। शेष में अपना गुजारा भी नहीं कर पाता। मन ही मन अपनी कुण्ठा और अपनी लाचारी को दबा कर माता से बोला – ठीक है, पैसे का इन्तजाम करके कुछ दिनों बाद ऑपरेशन के लिए आएँगे। पर, पैसे का इन्तजाम.....

सोहन बाई का घूमना–फिरना बन्द हो गया। एकाध बार गिर कर चोटिल भी हुए। अपनी गरीबी का उन्हें खूब अहसास था। इसलिए, उन्होंने आँख के इलाज की बात करना ही छोड़ दिया। पुत्र अपने माता की दयनीय दशा और अपनी असहाय विवशता पर ग्लानि से मन ही मन मर रही थी। और, इस तरह 2–3 वर्ष और निकल गए।

अचानक एक दिन गाँव में चर्चा फैल गई कि आँखों की निःशुल्क जाँच के लिए शहर से कुछ लोग आए हैं। यह 'तारा संस्थान' का 'नेत्र चिकित्सा शिविर' था। सोहन बाई का पड़ौसी भगत भाई उन्हें भी शिविर में ले आया। डॉ. ने जाँच कर तत्काल उदयपुर चलने की बात कही। यह भी, कि सारा इलाज मुफ्त में होगा। संस्थान के वाहन से सोहन बाई उदयपुर आयी और तारा नेत्रालय में मोतियाबिन्द का ऑपरेशन हुआ। दवाई ऑपरेशन, लेंस, भोजन आदि सभी निःशुल्क।

गरीबी और जानकारी के अभाव के कारण कई वृद्ध मोतियाबिन्द का दंश झेल रहे हैं। थोड़ी सी सहायता राशि से अन्धता की ओर बढ़ते इन गरीब बुजुर्गों को आँखों की ज्योति का उपहार दिया जा सकता है। सोहन बाई की बात करते–करते रुंधा हुआ गला उन दान–दाताओं के प्रति कातर–भाव से कृतज्ञता व्यक्त कर रही थी। हमने 'तारा' की स्थापना से पहले ऐसा ही हृदय को छू देने वाला दृश्य श्री जमना बा के सफल मोतियाबिन्द ऑपरेशन के बाद भी देखा था। तारा नेत्रालयों में ये दृश्य प्रतिदिन देखे जा सकते हैं – दान–दाताओं के सौजन्य – सहयोग के परिणाम स्वरूप।

कल्पना गोयल

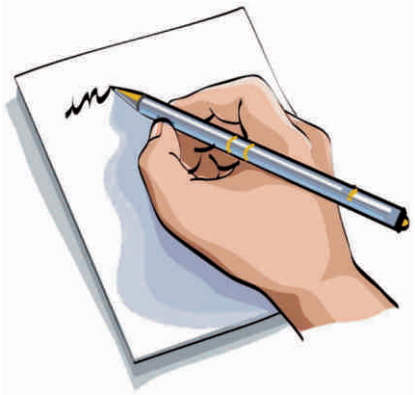

एक पिता की व्यथा....

तारा संस्थान में बुजुर्गों के लिए काम करते हैं तो कई अनुभव सुनने को मिलते हैं.... गाँव हो या शहर तकलीफ कहीं भी हो सकती है क्योंकि ये वो अवस्था है जिसमें शरीर कमजोर होने लगता है, लेकिन दिल और दिमाग तो सब समझता है पर कह कुछ नहीं पज्ञता सिर्फ इसलिए कि उसके अपने बच्चों को कहीं ठेस न लग जाए। ऐसे ही एक बुजुर्ग जिनकी आँखों का ऑपरेशन तारा नेत्रालय में हुआ अपनी तकलीफ को बेटे से कुछ इस तरह कहते.....

दीपेश मित्तल

प्रिय बेटे महेन्द्र

बहुत बहुत आशीष

मेरे हाथ का लिखा पत्र पाकर तुम्हें आज बहुत खुशी होगी और मैं भी बहुत खुश हूँ कि मेरी आँखों को नई रोशनी मिल गई है इसीलिए बहुत दिनों बाद कुछ लिख पाया। लगभग 20 दिन पहले मैंने बांयी आँख का मोतियाबिन्द का ऑपरेशन कराया था और अब इससे एकदम साफ दिखाई दे रहा है। डॉक्टर साहब ने बोला है कि दूसरी आँख का भी ऑपरेशन जल्दी ही कराना पड़ेगा क्योंकि इसमें भी मोतियाबिन्द पक गया है।

हमारे गाँव में उदयपुर की तारा संस्थान का एक कैम्प लगा था जिसमें मुझे बताया कि यदि मैंने मोतियाबिन्द का ऑपरेशन जल्दी नहीं कराया तो मेरी आँखों में कालापानी होकर रोशनी हमेशा के लिए चली जाएगी। कैम्प के दिन तुमसे बात की थी लेकिन तुम्हारे पास छुट्टियाँ नहीं थी और तुम्हें अपने साले की शादी के लिए भी छुट्टियाँ बचा कर रखनी थी सो मैंने तुम्हारा इंतजार किए बिना ही ऑपरेशन करा लिया। तुम्हारी माँ के गुजरने के बाद घर का सारा काम मुझे ही करना पड़ता है और अगर आँख चली जाती तो मैं पूरा लाचार हो जाता सो ऑपरेशन करवाना पड़ा।

तुम जब 8 महीने पहले गाँव आए थे तो तुम्हारे पास समय नहीं था, बहु और बच्चों को उदयपुर घुमाने ले जाना था और तुम्हारे सारे दोस्तों से मिलने जाना था लेकिन मैं आँखों से कम दिखने से काफी परेशान था, तुम्हें मैंने बताया भी था और हाँ ये तो बताना ही भूल गया कि 'तारा संस्थान' में मेरी आँखों का ऑपरेशन बिना पैसा दिए हो गया और वहाँ रहना खाना भी दो दिन तक निःशुल्क था वरना मेरे मन में एक पीड़ा यह भी रहती कि मैं ऑपरेशन कराने का 15–20 हजार रुपये का बोझ तुम पर कैसे डालू क्योंकि तुमने कई बार मेरे सामने कहा था कि तुम्हें बच्चों की पढ़ाई के लिए पैसे जमा करने हैं और तुम्हारे पास तो कुछ बचता ही नहीं है।

अभी ऑपरेशन के बाद खाना नहीं बना सकता हूँ तो पड़ोस के शर्मा अंकल सुबह शाम खाना दे जाते हैं। अब थोड़ा बहुत टी.वी. देख लेता हूँ और अखबार भी पढ़ लेता हूँ तुम्हें तो पता ही है कि मुझे पढ़ने का कितना शौक है। यहाँ अब सर्दी पड़ने लगी है तुम भी बच्चों का ध्यान रखना वैसे सुना है मुम्बई में सर्दी कम पड़ती है।

बहु को मेरा आशीर्वाद कहना और बच्चों को ढेर सारा प्यार....

तुम्हारा पिता

बुजुर्गों के लिए...

गौरी योजना

गौरी योजना के अन्तर्गत आर्थिक सहायता प्राप्त कर रहीं असहाय विधवा महिलाएँ

सरिता डनसेना, गाँव – फागुरम, तहसील – मालखरौदा (छ.ग.) की रहने वाली है। 36 वर्षीया सरिता के चार बच्चे हैं। इनके पति श्री टिकेश्वर प्रसाद डनसेना का जुलाई, 2010 में निधन हो गया। इनके भरण–पोषण का कोई सहारा नहीं है। खेती के काम में कभी–कभार मिलने वाली छुट–पुट मजदूरी से ये बड़ी मुश्किल से अपने बच्चों का पेट पाल रही है। तारा संस्थान के खरसिया शाखाध्यक्ष श्री बजरंग बंसल ने इनकी दयनीय स्थिति से तारा संस्थान को अवगत करवाया एवं गौरी योजना में सहायता के लिए इनके नाम की अनुशंसा की। तद्नुसार तारा संस्थान ने सरिता डनसेना का गौरी योजना में चयन करके इन्हें प्रतिमाह 1000 रुपया नकद सहायता राशि देना प्रारम्भ किया है। यह सहायता राशि सरिता डनसेना के बैंक खाता में प्रतिमाह जमा करवाई जा रही है।

बेटी बाई की आयु – 70 वर्ष है। इनके पति श्री राम निवास सोनी, जो मूर्तियाँ बनाने का कार्य करते थे – का 2006 में निधन हो गया। बेटी बाई पंचम नगर कॉलोनी, तहसील के पीछे चन्देरी, विदिशा की रहने वाली है। इन पर बहू एवं 2 पौत्रे–पौत्रियों के भरण–पोषण का दायित्व है। परिवार में आय का कोई साधन नहीं है। तारा संस्थान द्वारा विदिशा में आयोजित भागवत कथा के अवसर पर एक दानदाता ने बेटी बाई की स्थिति से तारा संस्थान के प्रतिनिधि को अवगत करवाया। इनकी तकलीफों को कुछ कम करने की दृष्टि से तारा संस्थान ने इन्हें 1000 रुपया नकद प्रतिमाह सहायता देना प्रारम्भ किया है। गौरी योजना से लाभान्वित होने पर बेटी बाई की परेशानियाँ कुछ कम हुई है। तारा संस्थान उन सभी दान–दाताओं के प्रति कृतज्ञ है, जिनके सहयोग–सौजन्य से बेटी बाई जैसी असहाय विधवा महिलाओं को कुछ राहत देना सम्भव हो पा रहा है।

मानवीय संवेदनाओं को आहत करने वाली असहाय विधवा महिलाओं की पीड़ाओं को कुछ कम करने के प्रयास के प्रति यदि आप भी इच्छुक हों, तो कृपया प्रति विधवा महिला 1000 रु. प्रतिमाह की दर से 01 माह, 03 माह, 06 माह, 01 वर्ष या इससे भी अधिक अवधि के लिए अपना दान–सहयोग 'तारा संस्थान' को प्रेषित करने का अनुग्रह करें।

तृप्ति योजना

बुजुर्गों के लिए...

तृप्ति योजना में इस बार आपका परिचय इन असहाय बुजुर्ग महिलाओं से करवाया जा रहा है, जिन्हें तृप्ति योजना में सम्मिलित किया जाकर प्रति माह खाद्य सामग्री सहायता पहुचाँई जा रही है।

नया गाँव, खेरवाड़ा निवासी जमना बाई लौहार की आयु 55 वर्ष है। इनके पति श्री कोदरा लौहार की बीमारी से मृत्यु हो गई। वे सुथारी का कार्य करते थे। 30 वर्ष पूर्व पति की मृत्यु के समय जमना बाई के 4–5 वर्ष का एक पुत्र था। बड़ी कठिनाई से उसका पालन–पोषण किया और कक्षा 06 तक पढ़ाया। शादी के बाद लड़का अलग हो गया और इनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं रहा। ये सड़क पर मजदूरी करके जैसे–तैसे गुजारा करती हैं। रहने के लिए एक झोपड़ीनुमा कच्चा मकान था, जो साल भर पहले बरसात में गिर गया। अब पड़ोस में किराये के छप्पर में रहती हैं। कमजोरी के कारण जब तब बीमार हो जाती है। पड़ोसी दयावश इन्हें खाने को कुछ दे देते हैं। इनकी जानकारी मिलने पर तारा संस्थान में इन्हें तृप्ति योजना के अन्तर्गत प्रतिमाह खाद्य सामग्री पहुँचाना प्रारम्भ किया है। इस सहायता से जमना बाई को 2 समय भरपेट भोजन मिलने लगा है।

सुमित्रा टांक, उमरड़ा (उदयपुर) की निवासी हैं। ये विकलांग है। इनके एक 9 वर्षीया पुत्री है। सुमित्रा कैलिपर्स की सहायता से कुछ चल फिर पाती है। इनके 35 वर्षीय पति श्री किशन टांक को सुनाई नहीं देता है। 3–4 महीने से आँखों की ज्योति भी चली गई है। पति, पुत्री और स्वयं का भरण–पोषण करना बहुत मुश्किल हो रहा है। इनके भाई इनकी जब–तब थोड़ी बहुत सहायता कर देते हैं। इन्हें पथरी की भी समस्या है। इन्हें तृप्ति योजना में सम्मिलित किया गया है, जिससे सुमित्रा को अपना परिवार चलाने में कुछ सहायता मिल रही है।

'तृप्ति योजना' के अन्तर्गत प्रत्येक बुजुर्ग को 1500/- मूल्य
की खाद्य-सामग्री सहायता प्रतिमाह वितरित की जा रही है।

वर्तमान में तृप्ति योजना के अन्तर्गत 252 बुजुर्ग बन्धुओं को प्रतिमाह उपर्युक्त मात्रानुसार खाद्य सामग्री पहुँचाई जा रही है। आपके सहयोग सौजन्य से यह संख्या 500 करने का लक्ष्य है।

आपसे प्रार्थित खाद्य-सामग्री सहयोग-सौजन्य राशि
रु. 4500 (3 माह), रु. 9000 (6 माह), रु. 18000 (एक वर्ष)

आनन्द वृद्धाश्रम

राजी बाई बंसल की आयु 75 वर्ष है। ये नीमच (म.प्र.) की रहने वाली हैं। इनके पति श्री जवेरीमल का निधन लगभग 18 वर्ष पूर्व हो गया। इनके परिवार में 2 पुत्रियाँ हैं, जो विवाहित हैं एवम् अपने ससुराल में रहती हैं। इनके एक पुत्र भी था, जो किडनी खराब होने से लगभग 3 वर्ष पूर्व दिवंगत हो गया। पुत्र के निधन के पश्चात् बहू व बच्चों को बहू के पीहर वाले परवरिश के लिए अपने घर ले कर चले गये। ऐसी स्थिति में राजीबाई एकदम अकेली हो गई। कुछ समय तक अपनी विवाहिता पुत्री के साथ रह कर गुजर–बसर करती रही, पर बढ़ती उम्र और कमजोरी के कारण पुत्री के लिए भी इनकी देखभाल कर पाना मुश्किल हो गया। ये अपनी पुत्री पर किसी भी तरह का बोझ बनना नहीं चाहती थी। इन्हें तारांशु के माध्यम से आनन्द वृद्धाश्रम की जानकारी मिली। इन्होंने यहाँ सम्पर्क किया और करीब 1 माह पूर्व ये आनन्द वृद्धाश्रम में आश्रय के लिए उदयपुर आ गईं।

राजी बाई बंसल सभी सुविधाओं के साथ आनन्द वृद्धाश्रम में रह रही है। अपने 1 माह के अनुभव के आधार पर ये बहुत खुश हैं। इन्हें हम उम्र आवासियों का स्नेह और आदर मिल रहा है। आनन्द वृद्धाश्रम के साधक–साधिकाओं का व्यवहार और इनकी देखभाल इन्हें कभी भी परिवार के अभाव का अहसास नहीं होने दे रहा। तारा संस्थान परिवार भी राजी बाई की तरह ही अन्य बुजुर्गों की देखभाल और उनकी सुख–सुविधाओं से सन्तुष्ट हैं।

आप भी यदि किसी असहाय बुजुर्ग बन्धु के लिए 'आनन्द वृद्धाश्रम' में आवास की मानवीय सुविधा उपलब्ध करवाने की सेवा भावना रखते हैं, तो कृपया प्रति बुजुर्ग 5000 रु. प्रतिमाह की दर से अपना दान सहयोग 'तारा संस्थान' को प्रेषित करने की कृपा करें।

01 माह – 5000 रु., 03 माह – 15000 रु., 06 माह – 30000 रु., 01 वर्ष – 60000 रु.

वृद्धाश्रम आवासियों से कोई शुल्क नहीं लिया जाता है। उनके लिए वृद्धाश्रम की सभी सेवाएँ सुविधाएँ – भोजन, वस्त्र, आवास, चिकित्सा देखभाल आदि, सर्वथा नि:शुल्क हैं।

आत्मविश्वास विकसित करना

एक युवा दंपती अपनी बेटी को काम पर जाने से पहले रोज बच्चों की देखभाल करने वाले एक सेंटर पर छोड़ जाया करते थे। माँ–बाप और वह बच्ची अलग होते समय एक–दूसरे का हाथ चूमते थे और उसके बाद उस चुम्बन को अपनी जेब में रखने का अभिनय करते थे। दिन में जब बच्ची अकेली होती थी, तो जेब से उस चुम्बन को निकाल कर अपने गाल पर लगा लिया करती थी। रोजमरी की यह छोटी–सी बात उनमें शारीरिक रूप से अलग होने के बावजूद साथ रहने का अहसास पैदा करती थी। कितना सुंदर विचार है।

मोतियाबिन्द जाँच –ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यतः पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द–ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर व दिल्ली स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित है।

शिविर विवरण

'तारा संस्थान' द्वारा माह दिसम्बर, 2013 की अवधि में आयोजित मोतियाबिन्द जाँच, चयन शिविर व ऑपरेशन का संक्षिप्त विवरण

तारा नेत्रालय, उदयपुर में आयोजित शिविर

दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	कुल ओ.पी.डी.	चयनित
04.12.2013	बड़ौदा शक्ति चेरिटेबल ट्रस्ट, मुम्बई	120	07
07.12.2013	रॉयल इन्जीनियरिंग एवं इलेक्ट्रीयल ट्रेडर्स, गुड़गाँव	105	14
09.12.2013	श्री विट्ठल जी – श्रीमती दुर्गा जी सोनावले एवं परिवार, नासिक (महा.)	114	28

दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	कुल ओ.पी.डी.	चयनित
18.12.2013	श्रीमती सुधा देवी पोद्दार, बैंगलोर (कर्नाटक)	170	08
21.12.2013	श्री सुनील कुमार जी कोठारी एवं परिवार,	170	18
28.12.2013	श्रीमती विदुल्ला प्रभाकर जी कुलकर्णी एवं परिवार, भुसावल (जलगाँव)	105	15

तारा नेत्रालय, नवादा, दिल्ली में आयोजित शिविर

16.12.2013	डॉ. कुमारी राजकुमार कुमारी गुप्ता, निवासी – हापुड़	586	03

तारा नेत्रालय, मीरा रोड, मुम्बई में आयोजित शिविर

28.12.2013	सुरजबेन पन्नालाल मेहता मेमोरियल ट्रस्ट, मुम्बई	110	12

उपर्युक्त शिविरों में चयनित रोगियों के तारा नेत्रालय, उदयपुर व दिल्ली में मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए गए।

मुनी देवी, दिल्ली

हरबंस, विकास नगर, दिल्ली

स्वर्ण कौर, उदयपुर

बरकत बानो, उदयपुर

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 17 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर (राजस्थान में) – 71000 रु.
मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 21 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर (राजस्थान से बाहर) – 100000 रु.
चश्मा जाँच – चश्मा वितरण – दवाई सहयोग राशि, प्रति शिविर – 21000 रु.

दानदाताओं के सौजन्य से आयोजित शिविर

1. शिविर में दवाई वितरण

2. शिविर में प्रसन्न चित्त दानदाता श्री शंकरलाल गोयल

3. तारा प्रतिनिधि द्वारा अतिथि दानदाताओं का सम्मान

4. शिविर में डॉ. जाँच करते हुए

5. तारा संरक्षक श्री सत्यभूषण जैन एवं परिवार शिविर में

6. चिकित्सक द्वारा रोगी की जाँच

7. फरीदाबाद शिविर में अतिथि महानुभाव

8. उपस्थित अतिथि श्री ओमप्रकाश शर्मा, विधायक, श्री रमेश मित्तल, श्री वी.पी. गुप्ता व अन्य महानुभाव

कठोरता एक कमज़ोर आदमी की झूठी ताक़त है।

पृष्ठ-10 के फोटो वाले शिविरों का विवरण

क्र.सं.	शिविर दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
1.	04 दिसम्बर, 2013	श्रीमती विदुल्ला प्रभाकर जी कुलकर्णी एवं परिवार, निवासी – भुसावल (जलगाँव)	80	10	30	61
2.	15 दिसम्बर, 2013	श्रीमान् शंकर लाल गोयल, फर्म : गिरीराज स्टील, नांगलोई, दिल्ली	685	15	385	600
3.	16 दिसम्बर, 2013	श्री सर्वेष कुमार राजपूत (मिनकी), निवासी – शालीमार बाग, दिल्ली	531	15	292	480
4.	17 दिसम्बर, 2013	धानुका चेरिटेबल ट्रस्ट, मुम्बई	225	10	132	29
5.	19 दिसम्बर, 2013	श्रीमती सुषमा जैन धर्मपत्नी श्री सत्यभूषण जैन, माताश्री – श्री पीयुष जैन, श्री पंकज जैन, दिल्ली	1100	01	430	980
6.	19 दिसम्बर, 2013	मैसर्स बालाजी मेटल क्राफ्ट, मुम्बई	150	22	31	41
7.	22 दिसम्बर, 2013	प्रमुख सहयोगी – श्री कर्मवीर – श्रीमती मीना पाठक अभिषेक इन्टरप्राईज लि., शारदा टेंक	375	25	240	280
8.	22 दिसम्बर, 2013	कॉन्टीनेन्टल मिल्कोज (इण्डिया) लि. ए 73, न्यू फ्रेन्डस कॉलोनी, नई दिल्ली – 110025	975	15	534	730

तारा नेत्रालय दिल्ली व मुम्बई में लाभांवित कुछ नेत्र रोगी

रतन, मुम्बई

लाल जी, मुम्बई

धर्मा जी, मुम्बई

नन्हकू, मुम्बई

नथु देवी, दिल्ली

कमलेष, दिल्ली

राधेष्याम, दिल्ली

शकुंतला, दिल्ली

बुजुर्गों के लिए...

स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्ढा की प्रेरणा से "The Ponty Chaddha Foundation" के सौजन्य से आयोजित शिविर

स्व. श्री पोण्टी चड्ढा

चिकित्सक द्वारा मोतियाबिन्द की जाँच

शिविर दिनांक	स्थान	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
02 दिसम्बर, 2013	वी.आर. बॉक्स मैकर्स, 9/5911, गाँधी नगर, दिल्ली – 110031	685	09	242	590
04 दिसम्बर, 2013	श्री गुरु नानक दरबार, साई बाबा नगर, बोरीवली (वेस्ट), मुम्बई	98	10	40	31
08 दिसम्बर, 2013	गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, नाका हिण्डोला, लखनऊ – 226004	1370	15	580	1130
15 दिसम्बर, 2013	श्री गुरुनानक सत्संग सभा (रजि.), मलाड (ई.), मुम्बई	215	13	123	23
23 दिसम्बर, 2013	ऐ.बी. शूर्गस लिमिटेड, गाँव–रधावा, दसुआ, होषियारपुर (पंजाब)	775	06	335	750
25 दिसम्बर, 2013	गुरुद्वारा कलगीधर, सभा रमानी कम्पाउण्ड, लिंक रोड, दहीसर, मुम्बई	202	17	34	33

इन शिविरों में चयनित सभी रोगियों के तारा नेत्रालय दिल्ली एवं मुम्बई में निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए गए हैं।

मानवीय सेवा सौजन्य के लिए तारा संस्थान उदयपुर , दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी एवम् वेव इन्फ्राटेक, दिल्ली के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है एवं स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्ढा के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

एक किसान ने अपने खेतों में लौकी बोई। उसने बिना कुछ सोचे–समझे एक छोटी–सी लौकी को बेल समेत एक शीशे के जार में रख दिया। फ़सल काटने के समय उसने देखा कि जार में रखी लौकी केवल उतनी ही बड़ी हो सकी, जितना बड़ा जार था। जिस तरह लौकी उसे रोकने वाली हदों से अधिक नहीं बढ़ सकी, उसी तरह हम भी अपनी सोच के दायरे से आगे नहीं बढ़ सकते, उस दायरे की हदें जो भी हों।

नेत्रहीन दुदाराम को आर्थिक सहायता

तारा संस्थान, उदयपुर द्वारा परसरामपुरा (भीलवाड़ा) निवासी असहाय नेत्रहीन दुदाराम को 1000 हजार रुपया प्रतिमाह आर्थिक सहायता देना प्रारम्भ किया गया है। नवज्योति समाचार पत्र के आगूचा प्रतिनिधि द्वारा तारा की संस्थापक एवम् अध्यक्ष श्रीमती कल्पना गोयल को दुदाराम की दयनीय अवस्था से अवगत करवाये जाने पर तारा संस्थान ने दुदाराम को यह सहायता राशि स्वीकृत की है। दिसम्बर, 2013 से प्रारम्भ की गई प्रथम मास की सहायता राशि तारा संस्थान के भीलवाड़ा प्रतिनिधि श्री राधेश्याम गहलोत ने श्री दुदाराम को नकद प्रदान की। आगे से यह सहायता राशि श्री दुदाराम के बैंक खाते में सीधे जमा करवाई जाएगी।

उन्हीं के शब्दों में

बुजुर्गों के लिए...

मेरा नाम डाल चन्द मालवी मेरी आयु 65 वर्ष है।
मेरा पूर्ण पता गाँव इथरदा तहसिल सलुम्बर जिला उदयपुर
है फोन नं. 9461181425 है।
मेरी दाई आँख में मोतिया बिन्द की वजह से मुझे देखने में
बहुत समस्या होती थी घर काम काज नहीं कर पाता था।
मैंने तारा नेत्रालय में 13/11/13 को ऑपरेशन हुआ
जिसकी वजह से मुझे देखने में आसानी हुई घर के सारे
काम काज आसानी से कर पा रहा हूँ। आज ता. 28/12/13
को वापस डॉ सा. को दिखाने आया हूँ। ठिक तरह से देख
पा रहा हूँ।
इस अस्पताल में मेरा एक भी पैसा खर्च नहीं हुआ है।
खाना रहना संस्थान द्वारा मुफ्त में हुआ है। भगवान एकलिंगजी
कि सेवा करता रहे मैं संस्थान का बहुत बहुत आभारी हूँ।
डालचन्द
डाल चन्द मालवी
ता. 28/12/13.

मेरा नाम तजिन्दर कौर है, आयु 53 है।
मैं L-64 बप्पा रावल नगर सैक्टर -6 हिरण मगरी
उदयपुर में रहती हूँ।
मेरी दाई आँख में मोतियाबिन्द था, जिस कारण
दिखाई कम देता था, मैंने 27/9/13 को ऑपरेशन
करवाया, एवं 3/10/13, 10/10/13 को पुनः जाँच करवाई।
ऑपरेशन के बाद अब मुझे साफ दिखाई देता है एवं
मेरे चश्में का नम्बर भी उतर गया।
आपरेशन करने का कोई खर्चा था किस नहीं ली
गई, अस्पताल की सुविधाएं भी बहुत अच्छी
है।

रोगी के परिचायक का नाम- जसप्रीत कौर (बेटी)
फोन न.- 8302784334

Tejinder Kaur

वातावरण (घर)

माँ–बाप अपने बच्चों को जो सबसे बड़ा तोहफा दे सकते हैं, वह है अच्छी बुनियाद। परिवार से हमें जो सबसे अच्छी चीज मिल सकती है – वह है बुनियाद। एक लड़की का शिष्ट और विनम्र व्यवहार देख कर उसके अध्यापक ने पूछा, ''तुम्हें इतना शिष्ट और विनम्र होना किसने सिखाया?'' लड़की ने जवाब दिया, ''किसी ने नहीं, हमारे परिवार में लोग ऐसा ही व्यवहार करते हैं।''

''तारा परिवार का सौभाग्य कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया''

श्री हरिष चन्द तिवारी, दिल्ली

श्री दौलत राम डिंगरा, दिल्ली

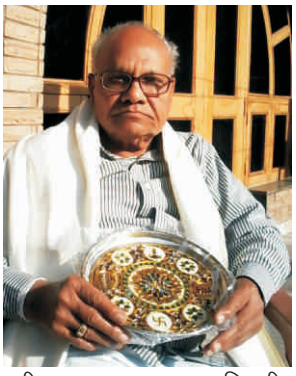
श्री मूलचन्द अग्रवाल, दिल्ली

श्रीमती हर्षा आर्य, दिल्ली

श्रीमती मनोरमा धवल, दिल्ली

श्रीमती मीना

श्रीमती वर्षा आहूजा, दिल्ली

श्री मुकेष टंडन, दिल्ली

श्री त्रिलोकी नाथ वाली, गाजियाबाद

श्री अषोक

श्री पी.के. बजाज, दिल्ली

श्री पी.के. माथुर एवं श्रीमती बृजरानी माथुर, दिल्ली

श्री आर.पी. भारद्वाज एवं श्रीमती प्रेम भारद्वाज, दिल्ली

आप 11,000/- रुपये देकर तारा नेत्रालय, उदयपुर, मुम्बई या दिल्ली में कैम्प करवा सकते है। अपने विशेष दिन को यादगार बनाने हेतु....

डॉ. कैलाश 'मानव' का अभिनन्दन

नववर्ष के अवसर पर डॉ. कैलाष 'मानव' मैनेजिंग ट्रस्टी एवं संस्थापक,
नारायण सेवा संस्थान का तारा संस्थान में पधारने पर अभिनन्दन किया गया।

मेरी आवाज सुनो

मेरा नाम विवेक है और अभी शिक्षा ग्रहण कर रहा हूँ। मैं जब स्कूल में प्रवेश करता हूँ तो मेरा ध्यान मुख्य द्वार पर जाता है जहाँ पर लिखा हुआ है शिक्षार्थ आएँ व सेवार्थ जाएँ।

लेकिन मुझे आज तक यह ज्ञान नहीं मिला कि इसका अर्थ क्या है? क्या सेवार्थ–अपनी रोजी रोटी रोजगार परवरिश ही है। उससे आगे कुछ नहीं है। आज हर विद्यार्थी पर परिवार का दबाव बना हुआ है कि डॉक्टर, इन्जीनियर, आई.ए.एस व किसी बड़े ओहदे की तैयारी करनी है। उससे क्या होगा। पैसा होगा, स्टेटस होगा अर्थात् सिर्फ पैसे का महत्त्व होगा। जिससे हम सभी तन व मन से अस्वस्य चिन्ता व भयग्रस्त होंगे। व्यक्तिवाद व संर्कीणता चरम सीमा पर होगी। सभी स्टेटस पर जोर दे रहे हैं। इंसानियत व संस्कार का पाठ नहीं पढ़ा रहे हैं। मेरे हिसाब से मुख्य द्वार पर लिखे शब्दों को हटा दें या नई परिभाषा ढूंढे। आज सेवार्थ के मायने बदल गए है। उसी का परिणाम है व बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि महात्मा गांधी (1869) के बाद दूसरा गांधी देश मे पैदा नहीं हुआ न ही आवश्यकता समझी। आज हम नेता विहीन होकर देश को चला रहे हैं। अगर हमें बचपन से ही शिक्षा के साथ–साथ सेवार्थ के मर्म भी हमारे शिक्षाविद् समझाएँ व स्वयं भी अमल करें। फिर भ्रष्टाचार, हिंसा, अशान्ति जैसे शब्दों का शब्दकोष में ही नाम रह जाऐगा। मैं देश का भविष्य हूँ और वर्तमान आपका है। आप आगे आएँ अपना दृष्टिकोण बदलें तो देश में विवेकानंद, सुभाष, शिवाजी, रामकृष्ण परंमहस् जैसे सपूत पैदा होंगे जिससे चहुँओर विकास के साथ–साथ हरियाली, खुशहाली, अमन–चैन व परस्पर विश्वास का राज होगा।

एक स्वर्णिम युग होगा

धन्यवाद
प्रस्तुति नवलकिशोर गुप्ता
समाज सेवक, फरीदाबाद

आपका शिष्य
विवेक

नेत्र चिकित्सा सेवा

अब तक किये गए सफल प्रयास

1.	उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई तारा नेत्रालयों में आयोजित कुल शिविर	238
2.	राजस्थान सहित अन्य स्थानों पर आयोजित कुल शिविर	528
3.	सभी शिविरों की कुल ओ.पी.डी.	152154
4.	तीनों हॉस्पीटल की कुल नियमित ओ.पी.डी.	58251
5.	तीनों हॉस्पीटल में सम्पन्न कुल ऑपरेशन	6893
6.	चश्मे वितरित, कुल संख्या	14492
7.	दवाई वितरित, कुल मूल्य.	68700 वाइल (शीशी) – रु. 790050

क्या यह किसी क़ाबिल है?

हम जितनी बहसें जीतते हैं, हमारे दोस्त उतने ही कम होते चले जाते हैं। सवाल यह है कि हम ठीक भी हों, तो क्या बहस करना उचित है? जवाब साफ़ है, बिल्कुल नहीं। क्या इसका मतलब यह हुआ कि हमें किसी की बात के विरोध में कभी कोई मुद्दा उठाना ही नहीं चाहिए?ज़रूर उठाना चाहिए, लेकिन नरमी और समझदारी से कुछ इस तरह की निष्पक्ष बात कहते हुए जैसे कि ''जहाँ तक मुझे ख़बर है....''।

Tara
बुजुर्गों के लिए...

NAME AND PLACE OF THE DONORS, WE ARE GRATEFUL TO THEM

Donors are requested kindly to send their photographs alongwith Donation for publishing in TARANSHU

Mr. Om Prakash & Mrs. Ratna Harkut
Jaipur (Raj.)

Mr. Ajay Walia & Mrs. Meenakshi,
Miss Ankita, Auckland, New zealand

Mr. Rajendra Bhai Samria & Mrs. Geeta Devi
Ahmedabad (Guj.)

Mr. Ankit Jain & Mrs. Sonal Jain
Chhatisgarh

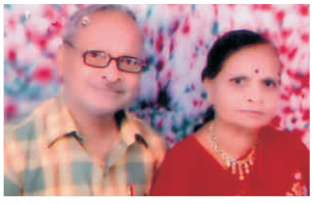
Mr. Girish Chandra & Mrs. Urmila Maheshwari
Kasaganj (UP)

Mr. Chhapu Ram & Mrs. Mohni Devi
JhunJhunu (Raj.)

Mr. Shanti Bhai Kothai& Mrs. Jaya Ben
Indore (MP)

Mrs. Mohini Prasad
Noida (UP)

Mr. Murari Lal & Mrs. Sushila Devi Agrawal
Agra (UP)

Mr. G.K. Mehta & Mrs. Shashi Mehta
Agra (UP)

Mr. Ramesh Yadav & Mrs. Pramila Yadav
Indore (MP)

Mr. Babu Prasad & Mrs. Pushpa Ben Shah
Ahmedabad (Guj.)

Mr. Gyan Prakash & Mrs. Lata Agrawal

Mr. Sundar Lal Sarda & Mrs. Chand Devi Sarda

Mr. Mukesh & Mrs. Sunita Maheshwari
Indore (MP)

Shri Swami Purushottam Giri Ji Maharaj
Shri Kailash Shanti Sadan Dham, Gurgaon

Mrs. Sandhya Ji
Meera Road, Thane

Mr. C.S. Saxena
Bhopal (MP)

Mr. Sohan Lal Prajapat
Sikar (Raj.)

Lt. Mrs. Sudha Consul
Jaipur (Raj.)

Mrs. Prabha Kogla
Kolkata

Mr. Aditya Tiwari
Sihor (MP)

Mr. Krishna Kamath
Mumbai

Mr. Chandmal Jain
Ajmer (Raj.)

Mrs. Kirti Sharma
Bhoapal (MP)

Mr. R.C. Bajaj
Vasant Kunj, New Delhi

Mr. Kirit P. Vora
Bangalore

Mr. Siddharth Prasad
Noida (UP)

Mrs. Kailash Chopra
Shanti Vihar, Delhi

महफिले दुनिया

कोई समझा ही नहीं महफिले दुनिया क्या है।
खेलता कौन है और उसका खिलौना क्या है।

तेरे अहबाब तेरे दोस्त तेरे घर वाले।
तुझ को मिट्टी में मिला देंगे अकड़ता क्या है।।

बाद मरने के हुआ बोझा सभी को मालूम।
जल्दी ले जाओ अब इस ढेर में रखा क्या है।।

कब चिल्ला के यूँ कहती है कि झिझकना कैसा।
रफ्ता रफ्ता सभी आ जायेंगे डरता क्या है।।

आने वाले तो चले जाते हैं वापिस लेकिन।
जाने वाले नहीं आते हैं तरीका क्या है।।

कोई समझा ही नहीं महफिले दुनिया क्या है।
खेलता कौन है और उसका खिलौना क्या है।।

संकलित –

राजेन्द्र प्रसाद सोनी
आनन्द वृद्धाश्रम आवासी

श्री किमत राय गुप्ता, सीएमडी, हावेल्स ग्रुप, तारा संस्थान के 22 दिसम्बर, 2013 में षिविर का अवलोकन करते हुए।

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries

'Tara' Contact Details - Office

Mumbai Office
Unit No. 1408/7, 1st Floor,
Israni Indl. Estate, Penkarpara,
Nr. Dahisar Check-post,
Thane - 401104 (M.S.) INDIA
Shri Amit Vyas Cell : 07666680094
Shri Madhusudan Sharma Cell : 09870088688

Delhi Office
WZ-270, Village - Nawada,
Opp. 720, Metro Pillar,
Uttam Nagar,
Delhi - 59
Shri Amit Sharma,
Cell : 09999071302, 09971332943

Surat Office
295, Chandralok Society,
Parwat Gaon,
Surat (Guj.)
Shri Prakash Acharya
Cell : 08866219767 (Guj.)
09829906319 (Raj.)

'Tara' Centre - Incharge

Shri S.N. Sharma
Mumbai (M.S.)
Cell : 09869686830

Smt. Rani Dulani
10-B/B, Viceroy Park, Thakur Village,
Kandiwali (W), Mumbai - 400 101, Cell : 09029643708

Shri Prahlad Rai Singhaniya
Hyderabad (A.P.)
Cell : 09849019051

Shri Pawan Sureka Ji
Madhubani (Bihar)
Cell : 09430085130

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136, 08821825087

Shri Naval Kishor Ji Gupta
Faridabad (HR.)
Cell : 09873722657

Shri Anil Vishvnath Godbole
Ujjain (MP)
Cell : 09424506021

Shri Satyanarayan Agrawal
Kolkata
Cell : 09339101002

Shri Vikas Chaurasia
Jaipur (Raj.)
Cell : 09983560006, 09414473392

Area Specific Tara Sadhak

Shri Kamal Didawania
Area Chandigarh, Haryana
Cell : 08950765483 (HR),
09001864783

Shri Bhanwar Devanda
Area Noida, Ghaziabad
Cell : 09660153806,
09649999540

Shri Rameshwar Jat
Area Gurgaon, Faridabad
Cell : 08882662492,
09602554991

Shri Sanjay Choubisa
Shri Gopal Gadri
Area Delhi
Cell : 09602506303, 09887839481

HEARTY CONGRATULATIONS

Our Patron Shri Satya Bhushan Jain has been nominated as 'WORKING PRESIDENT' of International Vaish Federation. In his letter nominating Shri Satya Bhushan Jain, the Founder President of International Vaish Federation Shri Ramdas Agarwal has appreciated efforts of Shri Jain in strengthening the IVF. Tara Sansthan congratulates Shri Jain on this achievement.

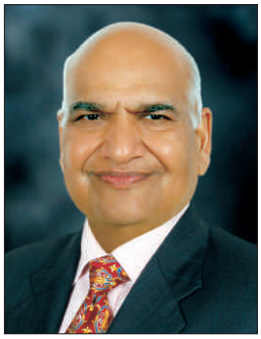

हम आदतों के आदी कैसे बन जाते हैं?

उस विशाल हाथी के बारे में सोचिए जो एक टन से भी ज्यादा वजन सिर्फ, अपनी सूँड से उठा लेता है। जरा सोचिए कि उसी हाथी को एक पतली रस्सी और एक खूँटे से एक ही जगह पर बँधे रहने का आदी कैसे बना दिया जाता है; जबकि वह खूँटे को आसानी से उखाड़ कर, जहाँ चाहे, वहाँ जा सकता है? जवाब यह है कि बचपन में हाथी को एक मजबूत जंजीर और एक मजबूत पेड़ से बाँधा जाता है। हाथी के बच्चे की तुलना में जंजीर और पेड़ मजबूत होते हैं। बच्चे को बँधे रहने की आदत नहीं होती, इसलिए वह उस जंजीर को खींचते और तोड़ने की लगातार नाकाम कोशिश करता रहता है। एक दिन ऐसा आता है जब बच्चा समझ जाता है कि खींचने और तोड़ने की कोशिश करने से कोई फ़ायदा नहीं। वह रुक जाता है और शांत खड़ा रहने लगता है। अब वह दिमागी रूप से इसका आदी हो चुका होता है।

और जब वही बच्चा एक विशाल हाथी बन जाता है तो उसे एक कमजोर रस्सी और खूँटे से बाँध दिया जाता है। वह हाथी चाहे तो एक झटका देने से ही आजाद हो सकता है, मगर अब वह कहीं नहीं जाता, क्योंकि वह बचपन से ही दिमागी रूप से इसका आदी हो चुका होता हे।

एक लड़का अपने पिता के साथ पतंग उड़ा रहा था। उसने पिता से पूछा, ''पतंग किस वजह से ऊपर उड़ रही है?'' पिता ने जवाब दिया, ''धागे की वजह से।'' लड़के ने कहा, ''पिताजी, धागा तो पतंग को नीचे खींच रहा है।'' पिता ने लड़के से कहा कि वह चुपचाप देखता रहे। उसके बाद पिता ने धागा तोड़ दिया। सोचिए, पंतग का क्या हुआ होगा?वह नीचे गिर गई। क्या हमारी ज़िंदगी के साथ भी यही बात सही नहीं है?कई बार हम जिन चीजों के बारे में सोचते हैं कि वे हमें नीचे धकेल रही है, वास्तव में वे हमें ऊपर उड़ने में मदद दे रही होती है। हमारी ज़िंदगी में अनुशासन भी यही काम करता है।

मुखौटा क्यों लगाएँ?

घटिया दर्जे के आत्मसम्मान वाले एक अधिकारी को तरक्की दी गई, लेकिन वह खुद को अपने नए ओहदे के मुताबिक ढाल नहीं पा रहा था। एक दिन वह अपने दफ्तर में बैठा था, तभी किसी ने दरवाजा खटखटाया। अपनी व्यस्तता और महत्त्व दिखाने के लिए उसने फोन उठा लिया और दरवाजा खटखटाने वाले से अंदर आने के लिए कहा। वह आदमी अंदर आ कर इंतजार करता रहा और उस दौरान वह अधिकारी सिर हिला–हिला कर फोन पर बात करता रहा। बीच–बीच में वह कहता जा रहा था, ''चिंता की कोई बात नहीं, मैं संभाल लूँगा।'' कुछ मिनट के बाद उसने फोन रख कर इंतजार कर रहे आदमी से आने की वजह पूछी। उस आदमी ने जवाब दिया, ''सर, मैं आपका फोन कनैक्ट करने आया हूँ।''

Kindly watch telecast of Tara's Programme on T.V. Channels

पारस
'पारस' चैनल पर प्रसारण
रात्रि 9.20 से 9.40 बजे

आस्था भजन
'आस्था भजन' चैनल पर प्रसारण
प्रात: 8.40 से 9.00 बजे

MA T.V. (UK)
'एमएटीवी' चैनल पर प्रसारण
रात्रि 8.10 से 8.30 बजे

Cataract patients in waiting halls of Tara Netralaya, Delhi

Our Chief Patron Shri N.P. Bhargav - Smt. Pushpa Bhargav sponsored Two Cataract Detection -cum-selection for operation camps at Tara Netralaya, Delhi during December, 2013. Selected patients have been operated.

Camp Dates	Camp Place	OPD	Selected for operation
22- 23 December, 2013	Tara Netralaya, Delhi	113	04

Cataract patients in waiting halls of Tara Netralaya, Mumbai

Our Patron Shri Ramesh Sachdeva - Smt. Shama Sachadeva sponsored Two Cataract detection-cum-selection for operation Camps at Tara Netralaya, Mumbai during December, 2013. Selected patients have been operated.

Camp Dates	Camp Place	OPD	Selected for operation
23-24 December, 2013	Tara Netralaya, Mumbai	153	11

INCOME TAX EXEMPTION

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G (50%) and 35 AC (100%) of IT Act. 1961

Donation to Tara Sansthan may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

Tara Sansthan Bank Account

ICICI Bank A/c No. 004501021965	**IFS Code : icic0000045**
SBI A/c No. 31840870750	**IFS Code : sbin0011406**
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	**IFS Code : IBKL0001166**
Axis Bank A/c No. 912010025408491	**IFS Code : utib0000097**
HDFC A/c No. 12731450000426	**IFS Code : hdfc0001273**
Canara Bank A/c No. 0169101056462	**IFS Code : cnrb0000169**
Central Bank of India A/c No. 3309973967	**IFS Code : cbin0283505**

Pan Card No. Tara - AABTT8858J

TARA NETRALAYA

WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720, Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 59

DELHI HOSPITAL - Tara Netralaya
+91 9560626661

TARA NETRALAYA

Unit No. 1408/7, 1st Floor, Israni Indl. Estate, Penkarpara, Nr. Dahisar Check-post, Meera Road, Thane - 401104 (M.S.) INDIA

MUMBAI HOSPITAL - Tara Netralaya
Shankar Singh Rathore +91 8452835042

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक समाचार पत्र, जनवरी, 2014

RNI. No. - RAJBIL/2011/42978, Postal Reg. No. - RJ/UD/29-102/2012-2014, Dates of Posting - 11th to 18th each month at Udaipur H.O.

'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच - III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन - II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

तारा संस्थान के नि:शुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

01 ऑपरेशन - 3000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 06 ऑपेरशन - 18000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 17 ऑपरेशन - 51000 रु.

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 17 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर (राजस्थान में) - 71000 रु.

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 21 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर (राजस्थान से बाहर) - 100000 रु.

चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा
(प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)

01 माह - 1500 रु.
06 माह - 9000 रु.
01 वर्ष - 18000 रु.

गौरी योजना सेवा
(प्रति विधवा महिला सहायता)

01 माह - 1000 रु.
06 माह - 6000 रु.
01 वर्ष - 12000 रु.

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा
(प्रतिबुजुर्ग)

01 माह - 5000 रु.
06 माह - 30000 रु.
01 वर्ष - 60000 रु.

सहयोग राशि - आजीवन संरक्षक 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन, आजीवन सदस्य 11000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (संचितनिधि में)

आयकर में छूट : तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G (50%) व 35AC (100%) के अन्तर्गत आयकर में छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank A/c No. 004501021965	IFS Code : icic0000045	HDFC A/c No. 12731450000426	IFS Code : hdfc0001273
SBI A/c No. 31840870750	IFS Code : sbin0011406	Canara Bank A/c No. 0169101056462	IFS Code : cnrb0000169
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	IFS Code : IBKL0001166	Central Bank of India A/c No. 3309973967	IFS Code : cbin0283505
Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFS Code : utib0000097	Pan Card No. Tara - AABTT8858J	

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

'पारस' चैनल पर प्रसारण
रात्रि 9.20 से 9.40 बजे

'आस्था भजन' चैनल पर प्रसारण
प्रात: 8.40 से 9.00 बजे

MA T.V. (UK)
'एमएटीवी' चैनल पर प्रसारण
रात्रि 8.10 से 8.30 बजे

बुक पोस्ट

बुजुर्गों के लिए...

तारा संस्थान

डीडवाणिया (रतनलाल) नि:शक्तजन सेवा सदन
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993
Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org
Website : www.tarasansthan.org